अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2022) दिनांक : 20.12.2022

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

भिक्षु विचार दर्शन–80

प्र. 1 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए– 10

(क) दया की उत्थापना किससे होती है?

(ख) आर्य सुहस्ती को आचार-शिथिलता से सावधान किसने किया?

(ग) आचार्य धर्मदासगणी के अनुसार किसका जीना और मरना दोनों ही अच्छे होते हैं?

(घ) जोधपुर के राजा विजय सिंह के मंत्री ने आचार्य भिक्षु से कौन सा प्रश्न पूछा?

(ङ) किसी ने कहा–'भीखणजी की महिमा तो बहुत सुनी है पर आप तो अकेले पेड़ के नीचे बैठे हैं।' तब आचार्य भिक्षु ने क्या कहा?

(च) संयमी मुनि नदी पार करते हैं। उसमें जीव हिंसा होती है। फिर भी उन्हें हिंसा का दोष क्यों नहीं लगता?

(छ) श्रद्धा का अर्थ क्या है?

(ज) मन का समाधान पाने की महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया क्या है?

(झ) गण किसे कहते हैं?

(ञ) हिंसा, असत्य, चोरी, अब्रह्मचर्य और परिग्रह–ये पांच महान दोष क्यों माने गए हैं?

(ट) आचार्य भिक्षु के मतानुसार संयमी और असंयमी कौन है?

(ठ) हृदय परिवर्तन किसे कहते हैं?

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 10

(क) आचार्य भिक्षु की सिद्धान्त वाणी के मौलिक निष्कर्ष लिखें।

(ख) कुछ लोगों ने कहा–'दान को धर्म न मानने का अर्थ ही उसका निषेध है।' तब आचार्य भिक्षु ने क्या कहा?

(ग) मूंग, मोठ और चने की दाल होती है, पर गेहूं की दाल कैसे हो? आचार्य भिक्षु ने ऐसा क्यों कहा?

(घ) आचार्य के निर्वाचन के लिए किन-किन अर्हताओं का होना आवश्यक है?

(ङ) प्राचीन साधु-संघ में कितने पद थे? और उनके द्वारा कौन-कौन से कार्य सम्पादित होते थे?

(च) आचार्य को सर्वाधिकार देकर भी संविधान की कौन सी धारा से उन्हें सचेत किया गया है?

प्र. 3 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 28

(क) आचार्य भिक्षु द्वारा प्रदप्त प्रसंगों द्वारा स्पष्ट करें कि जीव-रक्षा का प्रश्न दूसरे जीवों के हितों का विरोधी होता है?

(ख) जैन परम्परा में एक मान्यता थी कि अमुक कार्यों में धर्म होता है और अमुक में धर्म नहीं केवल पुण्य होता है। इस मान्यता का खंडन आचार्य भिक्षु ने कैसे किया, लिखें।

(ग) तेरापंथ के संविधान के अनुसार गण में किसे रखा जाए? लिखें।

(घ) दान के स्वरूप का विचेन करें।

(ङ) महाव्रतों की युगपत् प्राप्ति का विवेचन करें।

(च) सिद्ध करें कि जैन धर्म के प्रति आचार्य भिक्षु की अगाध श्रद्धा थी, पर वे जैन-धर्म को संकुचित अर्थ में नहीं मानते।

प्र. 4 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें– 32

(क) गांधीजी ने युद्ध के विषय में जो विचार व्यक्त किए, वे ही विचार आचार्य भिक्षु ने जीवन-युद्ध के बारे में व्यक्त किए? विभिन्न उद्धरणों द्वारा विस्तार पूर्वक लिखें।

(ख) लक्ष्य की पूर्ति येन-केन प्रकारेण नहीं अपितु उचित साधनों के द्वारा ही करनी चाहिए। विभिन्न विचारकों के विचारों द्वारा स्पष्ट करें।

(ग) भगवान महावीर के 'आत्मौपम्य' के सिद्धान्त का विशद विवेचन करें।

भिक्षु वाणी–20

प्र. 5 किन्हीं दो पद्य अर्थ सहित लिखें– 8

(क) काच तणा.....मोल।।

(ख) पहड़े.....जगनाथ रो।।

(ग) मोटका.....निधान।।

(घ) समचें.....सभेली।।

प्र. 6 किन्हीं दो पद्यों की पूर्ति करें– 6

(क) आ तो.....न्हांख।।

(ख) ते पाप.....दीस।।

(ग) जे अणांचारी.....भूके।।

(घ) उणनें.....जाय।।

प्र. 7 निम्नलिखित विषयों से सम्बंधित कोई दो पद्य लिखें– 6

(क) परिग्रह।

(ख) धन।

(ग) कुगुरु।

(घ) अज्ञान।